

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1144
उत्तर देने की तारीख-10/02/2025

एनईपी के अंतर्गत बच्चों का सर्वांगीण विकास

1144. श्री बाबू सिंह कुशवाहा:

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अंतर्गत छात्रों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या विशेष उपाय किए गए हैं;
- (ख) नई शैक्षणिक संरचना 5 +3+3+4 के कार्यान्वयन में अब तक क्या प्रगति हुई है तथा इस प्रक्रिया में आने वाली चुनौतियों का व्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार ने स्थानीय भाषाओं में शिक्षा प्रदान करने तथा इसके प्रभाव के आकलन के संबंध में कोई अध्ययन कराया है, यदि हाँ, तो उसके निष्कर्ष क्या हैं;
- (घ) बोर्ड परीक्षाओं को ज्ञान आधारित बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं तथा छात्रों का तनाव कम करने के लिए सरकार का क्या दृष्टिकोण है; और
- (ङ) कक्षा छह से व्यावसायिक शिक्षा के लागू होने के बाद किन-किन राज्यों में अधिकतम प्रगति हुई है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जयन्त चौधरी)

(क): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भारत में बच्चों के समग्र विकास के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत करती है। इस दृष्टिकोण के अनुरूप सरकार द्वारा किए गए विशेष उपाय इस प्रकार हैं:

1. आधारभूत साक्षरता और संख्याज्ञान:

- दिनांक 5 जुलाई 2022 को शुरू की गई राष्ट्रीय पठन, लेखन और अंकगणित दक्षता पहल (निपुण भारत) का उद्देश्य कक्षा 2 तक प्राथमिक विद्यालयों में सार्वभौमिक आधारभूत साक्षरता और संख्याज्ञान हासिल करना है। यह पठन, लेखन और संख्याज्ञान में मजबूत आधारभूत कौशल विकसित करने पर केंद्रित है।
- विद्या प्रवेश, 3 महीने का खेल आधारित स्कूल तैयारी मॉड्यूल दिनांक 29 जुलाई, 2021 को लॉन्च किया गया। बच्चे की साक्षरता, अंकगणित, संज्ञानात्मक और सामाजिक कौशल को बढ़ावा देने के लिए इस मॉड्यूल में कक्षा 1 में प्रवेश करने वाले बच्चों के लिए लगभग 12 सप्ताह के अनिवार्य विकासात्मक निर्देश हैं। विद्या प्रवेश अब एक वार्षिक कैलेंडर है और अब तक वर्ष 2024-25 में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के 8,93,866 स्कूलों के 1,00,13,714 छात्रों ने विद्या प्रवेश कार्यक्रम में भाग लिया है।
- बालवाटिका- कक्षा 1 में प्रवेश करने वाले बच्चों के लिए प्रारंभिक कक्षा: प्राथमिक वर्गों वाले कुल 12,28,911 स्कूलों में से 5,98,386 स्कूलों में बालवाटिका/प्री-प्राइमरी हैं। इसके अतिरिक्त, वित वर्ष 2022-23 से सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में पीएम पोषण को बालवाटिका (एक वर्ष) तक बढ़ा दिया गया है। वर्ष 2024-25 में कवरेज के लिए कुल 23,61,417 बच्चों को मंजूरी दी गई।

2. पाठ्यचर्या और शिक्षाशास्त्र:

- दिनांक 20 अक्टूबर 2022 को जारी किए गए आधारभूत स्तर के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ-एसएफ), प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा पाठ्यक्रम के लिए दिशानिर्देश प्रदान करता है, जिसमें खेल-आधारित शिक्षा, गतिविधि-आधारित शिक्षा और संज्ञानात्मक और सामाजिक-भावनात्मक कौशल के विकास पर बल दिया गया है।
- दिनांक 23 अगस्त 2023 को जारी स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (ईएस एफएस) स्कूल शिक्षा के 5+3+3+4 डिजाइन और समग्र विकास के महत्व पर बल देती है। यह स्वीकार करते हुए कि शैक्षणिक और व्यावसायिक कौशल दोनों एक अच्छी शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं, यह शिक्षा के प्रारंभिक, आधारभूत, मध्य और माध्यमिक चरणों में उनकी अन्योन्याश्रितता पर जोर देने के लिए शैक्षणिक विषयों में व्यावसायिक तत्वों को एकीकृत करने के तरीकों की सिफारिश करता है।

- **खेल-आधारित अधिगम पर ध्यान केंद्रण:** एनसीएफ-एफएस के आधार पर, अधिगम शिक्षण सामग्री (जादुई पिटारा) और जादुई पिटारा का डिजिटल संस्करण भी विकसित किया गया है।
- **एनसीएफ के अनुरूप पाठ्यपुस्तकें:** एनसीएफ-एफएस के अनुसार, जुलाई, 2023 में कक्षा 1 और 2 के लिए नई पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित की गईं। इसके अलावा, एनसीएफ-एसई (2023) के अनुसार शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए कक्षा 3 और 6 के लिए पाठ्यपुस्तकें जारी की गई हैं।

3. मूल्यांकन सुधारः

- **परख (समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण)** की स्थापना 8 फरवरी, 2023 को की गई थी, जिसका उद्देश्य छात्र मूल्यांकन से संबंधित मानदंडों, मानकों, दिशानिर्देशों को निर्धारित करना और गतिविधियों को लागू करना है।
- **समग्र प्रगति कार्ड:** समग्र विकास के लिए योग्यता आधारित मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, प्री-परेटरी, आधारभूत, मध्य और माध्यमिक चरण के लिए समग्र प्रगति कार्ड तैयार किया गया है और सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा किया गया है। शिक्षकों को इसके उपयोग में सहायता करने और राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में इसके कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए "एचपीसी को समझना" शीर्षक से एक शिक्षक दस्तावेज़ भी विकसित किया गया है।

4. शिक्षक विकासः

- 4 वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) के लिए मानदंड और मानक दिनांक 22.10.2021 को एनसीटीई द्वारा अधिसूचित किए गए हैं। वर्ष 2023-24 से 2024-25 तक, 64 संस्थानों ने 6,100 छात्रों के प्रवेश के साथ 4 वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) के लिए मान्यता प्रदान की।
- स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल (निष्ठा) को ईसीसीई के लिए मास्टर ट्रेनरों के प्रशिक्षण सहित स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर शिक्षकों को कवर करने के लिए विस्तारित किया गया। दिनांक 31 मार्च 2024 तक 1.26 लाख मास्टर ट्रेनर प्रमाणित किए गए।

- शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी) शिक्षकों के कार्य को परिभाषित करता है और 21वीं सदी के स्कूलों में उच्च गुणवत्ता वाले, प्रभावी शिक्षण के तत्वों को स्पष्ट करता है जो छात्रों के लिए शैक्षिक परिणामों में सुधार करेगा। एनपीएसटी मार्गदर्शक दस्तावेज़ दिनांक 9 मार्च 2024 को जारी किया गया था।
- राष्ट्रीय मैटरिंग मिशन (एनएमएम) स्कूल शिक्षकों को मैटरिंग प्रदान करने के इच्छुक उत्कृष्ट पेशेवरों का एक बड़ा समूह बनाने की बात करता है। दिनांक 9 मार्च 2024 को ‘एनएमएम पर ब्लूबुक’ जारी की गई।

5. शिक्षण-अधिगम में प्रौद्योगिकी का एकीकरण:

- अटल टिंकरिंग लैब (एटीएल): युवाओं में नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए एटीएल की स्थापना की जा रही है। अब तक नीति आयोग द्वारा 10,000 एटीएल पूरे किए जा चुके हैं, जबकि समग्र शिक्षा की केंद्र प्रायोजित योजनाओं और पीएम श्री के तहत सरकारी स्कूलों को क्रमशः 4881 और 5320 लैब स्वीकृत किए गए हैं।
- पीएम ई-विद्या के तहत, **दीक्षा** एक राष्ट्र, एक डिजिटल शिक्षा अवसंरचना है। यह डिजिटल अवसंरचना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित है और अत्यधिक श्रेष्ठकर है। इस अवसंरचना का उपयोग एनर्जाइज्ड टेक्स्टबुक (ईटीबी) बनाने के लिए भी किया जा रहा है और वर्तमान में दीक्षा पर 7157 ईटीबी प्रकाशित किए गए हैं। दीक्षा पर कुल 3,66,123 ई-सामग्री उपलब्ध हैं तथा ई-सामग्री 126 भारतीय भाषाओं और 7 विदेशी भाषाओं में उपलब्ध हैं।
- स्कूल शिक्षा के लिए स्वयमप्रभा के मौजूदा 12 डीटीएच चैनल इंटरनेट रहित लोगों तक पहुंचने और उनकी सहायता करने के लिए हैं। इन चैनलों को 88,224 वीडियो सामग्री के साथ 200 चैनलों तक बढ़ा दिया गया है अर्थात् राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों/आबंटित क्षेत्रों द्वारा 29 भाषाओं में अब तक 25,206 घंटे का प्रसारण प्राप्त किया गया है।

6. कौशल शिक्षा पर ध्यान केंद्रण:

- करियर मार्गदर्शन और परामर्श को बढ़ावा देने के लिए, वित्त वर्ष 2024-25 से समग्र शिक्षा के तहत अकादमिक संसाधन व्यक्तियों के लिए प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, दिनांक 29 जुलाई, 2024 को बैगलेस डेज़ और करियर मार्गदर्शन पर व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

7. हितधारक सहभागिता:

- शिक्षा सप्ताह दिनांक 22 जुलाई से 28 जुलाई तक चलने वाला एक सप्ताह का समारोह था, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की चौथी वर्षगांठ को चिह्नित करता है। शिक्षा सप्ताह का प्राथमिक लक्ष्य एनईपी 2020 को लागू करने में हुई प्रगति को दर्शाना, सर्वोत्तम पद्धतियों को साझा करना और देश में शिक्षा की भावी योजना बनाना था। सप्ताह का प्रत्येक दिन एक विशिष्ट विषय के लिए समर्पित था, और इनमें शामिल थे: शिक्षण-अधिगम सामग्री, मूलभूत साक्षरता और संख्याज्ञान, खेल, संस्कृति, कौशल और डिजिटल पहल, इको क्लब और स्कूल पोषण, और सामुदायिक भागीदारी।
- मिशन लाइफ के लिए इको क्लब समग्र शिक्षा के तहत एक कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य छात्रों को सार्थक पर्यावरण-अनुकूल गतिविधियों में भाग लेने में सक्षम बनाना है। मिशन लाइफ के लिए इको क्लब की गतिविधियाँ मिशन लाइफ के सात विषयों के साथ संरचित हैं अर्थात् ऊर्जा बचाएँ, पानी बचाएँ, सिंगल यूज़ प्लास्टिक को न करें, दीर्घकालिक खाद्य प्रणाली अपनाएँ, अपशिष्ट कम करें, स्वस्थ जीवन शैली अपनाएँ और ई-कचरा कम करें।
- भारतीय भाषा उत्सव दिनांक 11 दिसंबर 2024 को श्रद्धेय महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में एक सप्ताह तक चलने वाला उत्सव था। इस वर्ष का विषय "भाषाओं के माध्यम से एकता" था और इसका उद्देश्य भाषाई विविधता को बढ़ावा देना और उसका मनाना था जो हमारे राष्ट्र के सांस्कृतिक तानेबाने में अंतर्निहित है।

- छात्रों के लिए एक्सपोजर विजिट: एनईपी 2020 के अनुसार अनुभवात्मक शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, छात्रों को प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करने के लिए एक्सपोजर विजिट के लिए समग्र शिक्षा के तहत प्रावधान किया गया है, जिससे शिक्षण अधिक आकर्षक और सार्थक हो सके।

(ख): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप, मूलभूत चरण के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ एफएस) और स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ एसई) विकसित की गई है। एनसीएफ-एफएस 3-8 वर्ष की आयु के बच्चों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पहचानता है जबकि एनसीएफ-एसई 2023 सभी विकासात्मक चरणों में संदर्भ, शिक्षण, योग्यता और मूल्यांकन पर व्यापक मार्गदर्शन प्रदान करता है। 5+3+3+4 पाठ्यक्रम और शैक्षणिक पुनर्गठन में आधारभूत चरण में पांच वर्ष, प्रारंभिक और मध्य चरणों में तीन-तीन वर्ष और माध्यमिक चरण में चार वर्ष शामिल हैं। एनसीएफ-एफएस के आधार पर, खेल-आधारित शिक्षण सामग्री, "जादुई पिटारा" और इसके डिजिटल समकक्ष "ई-जादुई पिटारा" विकसित किए गए हैं। ये संसाधन जिज्ञासा जगाने और बुनियादी स्तर के शिक्षार्थियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, साथ ही स्थानीय संस्कृति, सामाजिक संदर्भ और भाषाओं को भी दर्शाते हैं। इसके अलावा, शैक्षणिक सत्र 2024-25 में उपयोग के लिए कक्षा 1, 2, 3 और 6 के लिए पाठ्यपुस्तकों जारी की गई हैं।

(ग): स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (एनसीएफएसई), 2023 में सामाजिक भाषाई विविधता को ध्यान में रखते हुए स्थानीय भाषाओं में बहुभाषावाद और प्रवीणता को बढ़ावा देने पर बल दिया गया है और बताया गया है कि कैसे सामाजिक बहुभाषावाद स्कूल में बच्चों को अपनी मातृभाषा/घर की भाषा/स्थानीय भाषा में स्कूल शिक्षा शुरू करने तथा कई और भाषाओं अर्थात् मातृभाषा-आधारित बहुभाषावाद को जोड़ने के लिए आगे बढ़ने में सक्षम बनाता है। एनईपी 2020 में अनुशंसित मातृभाषा/घर की भाषा/स्थानीय भाषा में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कई उपाय किए गए हैं।

(घ): सरकार द्वारा बोर्ड परीक्षाओं को ज्ञान आधारित बनाने तथा विद्यार्थियों पर तनाव कम करने के लिए उठाए गए कदम:

- 1. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ):** राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ) का विकास शिक्षा प्रणाली को ज्ञान-आधारित प्रणाली की ओर ले जाने और छात्रों के तनाव को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है। रटने की बजाय समझ को प्राथमिकता देकर, एनसीएफ परीक्षा के दबाव को कम करता है और समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करता है, जो बहुआयामी समग्र प्रगति कार्ड में परिलक्षित होता है, शिक्षाविदों से परे विविध कौशल को महत्व देता है। योग्यता-आधारित शिक्षा और एक लचीला, योग्यता-आधारित पाठ्यक्रम अधिगम को प्रासंगिक और व्यक्तिगत बनाकर परीक्षा की चिंता को और कम करता है। अंत में, निरंतर मूल्यांकन सहित मूल्यांकन सुधार एक कम तनावपूर्ण वातावरण बनाते हैं जो परीक्षा के दबाव पर वास्तविक समझ को प्राथमिकता देता है।
- 2. एनसीएफ के अनुरूप पाठ्यपुस्तकें:** समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए, एनसीईआरटी की नई पाठ्यपुस्तकें संज्ञानात्मक, सामाजिक, भावनात्मक और शारीरिक विकास को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों को एकीकृत करती हैं। आकर्षक दृश्य और सुलभ भाषा विविध शिक्षण शैलियों को पूरा करती है, जबकि योग्यता-आधारित दृष्टिकोण छात्रों को व्यावहारिक कौशल से लैस करता है। सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक सामग्री और कम सामग्री भार अधिगम के अनुभव को और बढ़ाता है।
- 3. समग्र प्रगति कार्ड (एचपीसी):** प्रारंभिक, आधारभूत, मध्य और माध्यमिक के लिए 360 डिग्री बहुआयामी एचपीसी का उद्देश्य शारीरिक विकास, सामाजिक-भावनात्मक विकास, संज्ञानात्मक विकास के साथ-साथ सौंदर्य और सांस्कृतिक विकास जैसे पहलुओं को शामिल करके बच्चे के विकास का अवलोकन प्रदान करना है। शिक्षक की प्रतिक्रिया के साथ-साथ सहकर्मी, स्वयं और माता-पिता की प्रतिक्रिया भी दर्ज की जाती है।
- 4. बोर्ड परीक्षाएँ:** एनईपी 2020 के अनुरूप, सभी छात्र कक्षा 3, 5 और 8 में स्कूल परीक्षाएँ देंगे, जो उचित प्राधिकारी द्वारा आयोजित की जाएँगी। इसके अलावा, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) वर्ष 2020 से कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाओं में जानकारी को याद रखने और पुनरुत्पादित करने की क्षमता के स्थापना पर छात्रों की समझ, वैचारिक स्पष्टता और विश्लेषणात्मक क्षमता का परीक्षण करने के लिए योग्यता-केंद्रित प्रश्न प्रस्तुत कर रहा है।

5. समग्र शिक्षा के तहत प्रावधान: स्कूल शिक्षा के लिए एकीकृत योजना - समग्र शिक्षा के तहत छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हुए, वर्ष 2023-24 से प्रभावी, स्कूलों में करियर मार्गदर्शन और परामर्श के लिए ब्लॉक स्तर पर अकादमिक संसाधन व्यक्ति (एआरपी) का प्रावधान है। इसके अलावा, शिक्षकों को सुरक्षा और संरक्षा पर प्रशिक्षण के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, ताकि शिक्षकों को स्कूलों में प्रथम स्तर के परामर्शदाता के रूप में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। साथ ही, अधिगम में कमियों की पहचान करने और व्यक्तिगत शिक्षण पहलें प्रदान करने के लिए अधिगम वृद्धि कार्यक्रम के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

6. अन्य विशिष्ट पहल:

- सीबीएसई के पाठ्यक्रम लेन-देन संबंधी दिशा-निर्देश छात्र-केंद्रित दृष्टिकोणों पर बल देते हैं, जो चिंतन और ज्ञान निर्माण के माध्यम से सक्रिय शिक्षण को बढ़ावा देते हैं। शिक्षकों को "धीमे" या "तेज" छात्रों जैसे लेबल को नजरअंदाज करते हुए समावेशी सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
- वर्ष 2019-20 सत्र से, सीबीएसई ने अनुभवात्मक शिक्षण को शामिल किया है, जिससे स्कूलों को ऐसी पाठ्यचर्या गतिविधियों को डिजाइन करने में सक्षम बनाया जा सके जो कक्षा की सामग्री को छात्रों के जीवन और उनके आसपास की दुनिया से जोड़ती हैं।
- स्कूल शिक्षा के सभी स्तरों के लिए एनसीईआरटी द्वारा विकसित अधिगम के परिणाम शिक्षकों को उनके निर्देश के लिए स्पष्ट दिशा प्रदान करते हैं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने में हितधारकों के बीच जवाबदेही को बढ़ावा देते हैं।

(ड.): कौशल शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए, कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए राष्ट्रीय कौशल योग्यता रूपरेखा (एनएसक्यूएफ) अनुरूप कौशल पाठ्यक्रम लागू किए जा रहे हैं। माध्यमिक स्तर अर्थात् कक्षा 9वीं और 10वीं में, छात्रों को अतिरिक्त विषय के रूप में कौशल मॉड्यूल प्रदान किए जाते हैं। वरिष्ठ माध्यमिक स्तर अर्थात् कक्षा 11वीं और 12वीं में, कौशल पाठ्यक्रम अनिवार्य (इलेक्टिव) विषय के रूप में पेश किए जाते हैं। समग्र शिक्षा के नवाचार घटक के तहत उच्च प्राथमिक स्तर पर पूर्व-व्यावसायिक शिक्षा के प्रदर्शन, इंटर्नशिप, 10 बैगलेस दिन आदि के प्रावधान शामिल किए गए हैं। अब तक, कार्यान्वयन के लिए 138 जॉब रोल (जेआर)/कौशल विषयों को अनुमोदित किया गया है। संचार कौशल, स्व-प्रबंधन

कौशल, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी कौशल, उद्यमिता कौशल और हरित कौशल सहित रोजगार कौशल मॉड्यूल जेआर के भाग के रूप में शामिल किए गए हैं। व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने वाले स्कूलों की संख्या वर्ष 2014-15 में 1850 से बढ़कर वर्ष 2024-25 (सितंबर 2024 तक) में 29,342 हो गई है, जबकि छात्रों का नामांकन वर्ष 2014-15 में 58,720 से बढ़कर वर्ष 2024-25 (सितंबर 2024 तक) में 30,87,928 हो गया है।
